

**क्षरण** पुं. (तत्.) 1. रिस-रिस के चूना, तरल पदार्थ का किसी पात्र में बूँद-बूँद करके गिरना 2. छूटना 3. झड़ना, क्षीण होना।

**क्षरित** वि. (तत्.) टपका हुआ, चुआ हुआ।

**क्षरी** पुं. (तत्.) वर्षाकाल, बरसात।

**क्षव** पुं. (तत्.) छींक, खाँसी।

**क्षवथु** पुं. (तत्.) 1. अधिक छींके आना, खाँसी 2. नाक के रोगों में से एक 3. गले का दुखना।

**क्षवपत्री** स्त्री. (तत्.) द्रोण पुष्पी, गूमा।

**क्षविका** स्त्री. (तत्.) 1. एक प्रकार का वनभंडा 2. एक प्रकार का चावल, नारी।

**क्षांत** वि. (तत्.) 1. क्षमाशील, क्षमा करने वाला 2. सहनशील, सहिष्णु, पृथ्वी, क्षमा किया हुआ पुं. (तत्.) 1. एक ऋषि का नाम 2. एक व्याध जिसे अपने गुरु की गौएँ मार डालने के कारण शाप मिला था 3. महादेव, शिव।

**क्षांता** स्त्री. (तत्.) पृथ्वी, भूमि।

**क्षांति** स्त्री. (तत्.) 1. क्षमा 2. सहिष्णुता 3. सहनशीलता।

**क्षांतु** पुं. (तत्.) पिता, जनक वि. (तत्.) सहनशील, क्षमावान, सहिष्णु।

**क्षा** स्त्री. (तत्.) पृथ्वी।

**क्षात्र** वि. (तत्.) क्षत्रिय संबंधी, क्षत्रियोचित।

**क्षात्र** पुं. (तत्.) क्षत्रिय का कर्म, क्षत्रियत्व, क्षत्रियोचित पराक्रम।

**क्षात्रि** पुं. (तत्.) क्षत्रिय पुरुष और अन्य जाति की स्त्री से उत्पन्न संतान।

**क्षाम** वि. (तत्.) 1. क्षीण, दुबला, कमजोर 2. अल्प, थोड़ा।

**क्षाम** पुं. (तत्.) 1. विष्णु का एक नाम 2. क्षय, नाश।

**क्षामा** स्त्री. (तत्.) पृथ्वी, धरती, भूमि।

**क्षाम्य** वि. (तत्.) क्षम्य, क्षमा किए जाने योग्य।

**क्षार** पुं. (तत्.) 1. खार, जवाखार 2. शोरा 3. सुहागा 4. भस्म, राख 5. काँच, शीशा 6. किसी वस्तु का सत या स्वरस 7. दाहक, विस्फोटक 9. खनिज द्रव्यों का रासायनिक विधि से बनाया हुआ नमक वि. (तत्.) 1. खारा 2. क्षरणशील 3. रिसने-बहने वाला, क्षरणशील।

**क्षारक** पुं. (तत्.) 1. क्षार, खार 2. सज्जी 3. कालिका 4. धोबी 5. जाल, चिड़ियों का पिंजड़ा 6. मछलियों को पकड़ने का खाँची या दौरी वि. दाहक, जलानेवाला।

**क्षारगद** पुं. (तत्.) आचार्य सुश्रुत के अनुसार एक औषधि।

**क्षारगुड़** पुं. (तत्.) 1. पांडु, प्लीहा 2. अर्श 3. शोथ 4. कफ आदि रोगों में दी जाने वाली औषधि।

**क्षारगुण** पुं. (तत्.) खारापन।

**क्षारण** पुं. (तत्.) 1. खार बनाना 2. टपकाना 3. पारे का पंद्रहवाँ संस्कार 4. अपवाद लगाना (विशेष कर व्यभिचार का) 5. तेजाब को प्रभावहीन करना।

**क्षारदशक** पुं. (तत्.) 1. सहिजन 2. मूली 3. पलास 4. चूका शाक 5. चित्रक 6. अदरक 7. नीम 8. ईख 9. अपामार्ग 10. केले के क्षारों का समूह।

**क्षारपत्र** पुं. (तत्.) बथुआ नामक साग।

**क्षारपाक** पुं. (तत्.) मोरवा के पौधे से बना हुआ एक पाक जिसका प्रयोग फोड़ों का मवाद बहाने में होता है।

**क्षारभूमि** स्त्री. (तत्.) ऊसर जमीन।

**क्षारमेह** पुं. (तत्.) एक प्रकार का प्रमेह रोग।

**क्षारलवण** पुं. (तत्.) खारा नमक।

**क्षारवर्ग** पुं. (तत्.) सज्जी खार, सोहागा और शोरा, इन तीनों का समूह, क्षारत्रय।

**क्षाराक्ष** पुं. (तत्.) काँच की बनी हुई नकली आँख वि. (तत्.) बनावटी आँख लगाने वाला।